रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

संचार क्रांति और संस्कार क्रांति दोनों हैं आवश्यक–महामहिम कुलाधिपति, राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

– रादुविवि वर्चुअल दीक्षांत समारोह में 1 डी.लिट्, 191 उपाधियों और 97 स्वर्णपदकों का वितरण

जबलपुर 06 फरवरी। वर्तमान समय में संचार क्रांति के साथ संस्कार क्रांति की भी आवश्यकता है। यहां के प्रतिभाशाली विद्यार्थी न केवल भारत में विविध क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं अपितु विदेशों में भी जाकर अपने ज्ञान और विज्ञान से देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। शिक्षा जैसे गंभीर और महत्वपूर्ण दायित्व को निष्पादित करने वाली संस्थाएं–अर्थात् हमारे विश्वविद्यालय ज्ञान के पवित्र मंदिर हैं। इस गुरुतर भार को वहन करते समय हमारे विश्वविद्यालयों की भूमिका वर्तमान में अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। आज का युग वैश्विक प्रतिस्पर्धा का युग है। इस युग में वहीं अग्रगामी हो पाता है जो प्रतिस्पर्धा में खरा उतरता है। वहीं उत्कृष्टता का निर्माण कर पाता है जो एक ओर अपनी महान परंपराओं के साथ–साथ नई–नई तकनीकों का भी समन्वय कर पाने में सक्षम होता है। उपरोक्त दीक्षांत भाषण महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित पहले वर्चुअल दीक्षांत समारोह में राजभवन उत्तरप्रदेश से ऑनलाईन माध्यम से व्यक्त किए। माननीय कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में 1 डी.लिट्, 191 पीएच.डी. धारकों को उपाधियां एवं 58 छात्र–छात्राओं को 97 स्वर्णपदक प्रदत्त किये गए।

विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित वर्चुअल दीक्षांत समारोह के प्रारंभ में दीक्षांत यात्रा कुलपति कार्यालय से निकलकर विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह पहुंची। दीक्षांत यात्रा में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, कार्यपरिषद सदस्य श्री निखिल देशकर, डॉ. मनोज आर्या, श्री डी.एस. महोबिया एवं सुश्री सीमा पटैल, संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. रामशंकर, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ.

अधिकेश राय एवं डॉ. अमित कुमार गुप्ता शामिल रहे। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी उपाधिधारकों एवं स्वर्णपदक विजेताओं को आयोजन से पूर्व ऑनलाईन लिंक भेजी गई, जिसके जरिए सभी उपाधिधारक एवं स्वर्णपदक विजेता वर्चुअल रूप से कार्यक्रम में जुड़े रहे। दीक्षांत समारोह का यूट्यूब के माध्यम से सीधा प्रसारण होगा।

मुख्य अतिथि मप्र शासन उच्च शिक्षा डॉ. मोहन यादव ने प्रस्तुत किया उद्बोधन–

मुख्य अतिथि के रूप में ऑनलाईन उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी ने कहा कि यहां के ऊर्जावान कुलपति प्रोफेसर कपिल देव मिश्र अपनी क्षमताओं से इस विश्वविद्यालय का चहुँमुखी विकास कर रहे हैं। अपनी योग्यता से स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा अनुसंधान से शोध उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मैं अपनी शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई देता हूँ। कोरोना महामारी ने पूरे विश्व के प्रत्येक नागरिक को प्रभावित किया है। इस संकट की घड़ी में भारत को आत्मनिर्भर होने की जरूरत है। कोरोना नामक इस आपदा को अवसर में बदलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया है। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है स्वयं पर निर्भर होना।

वर्चुअल दीक्षांत समारोह में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में 09 संकाय तथा 28 विभाग संचालित हैं। व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं वैश्विक चुनौतियों का सम्यक समाधान करने तथा युवाओं को आत्म निर्भर बनाने हेतु विश्वविद्यालय अनेक नए पाठ्यक्रम, नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नित नए प्रयोग कर रहा है। आज का दिन हमारे लिए स्वर्णिम है। कुल 58 छात्र–छात्राओं को कुल **97 स्वर्ण पदक** एवं कुल **191** को **विद्यावारिधि** (पी–एच.डी.) एवं **01** को **डी.लिट्** की उपाधि दी जायेगी। इससे बड़ी बात यह है कि उन्हें आपके साक्ष्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर होने पर पवित्र मंत्रों से अभिसिंचित किया जाता।

स्क्रीन पर उपाधिधारकों, स्वर्णपदक विजेताओं की फोटो, प्रमाणपत्र–

रादुविवि वर्चुअल दीक्षांत समारोह में कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र ने माननीय कुलाधिपति की अनुमति से समारोह की शुरूआत की एवं एक के बाद एक सभी संकाय के संकायाध्यक्षों को दीक्षांत के मंच पर अपने–अपने संकाय के उपाधिधारकों के नाम विषयवार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। दीक्षांत कार्यक्रम में संकायाध्यक्षों में प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. रामशंकर, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. अधिकेश राय एवं डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने अपने–अपने संकाय के उपाधि धारकों के नामों की घोषणा की। संकाध्याक्षों द्वारा उपाधिधारकों के नाम पुकारने के साथ ही विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में लगी बड़ी स्क्रीन पर संबंधित उपाधिधारकों की फोटो और प्रमाणपत्र भी क्रमशः प्रदर्शित हो रही थी, इसी प्रकार कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा द्वारा स्वर्णपदक विजेताओं के नाम की घोषणा पर स्वर्णपदक विजेताओं की फोटो व प्रमाणपत्र बड़ी स्क्रीन पर क्रमशः प्रदर्शित हो रही थीं।

कोरोना गाईड लाईन का पालन कर हुआ कार्यक्रम–

पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में मुख्य कार्यक्रम के दौरान सिर्फ प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वान कोरोना गाईड लाईन, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मौजूद रहे। दीक्षांत कार्यक्रम का शुभारंभ व समापन आर्मी बैंड द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगान की धुन के साथ हुआ। महामहिम कुलाधिपति द्वारा 32वें दीक्षान्त समारोह को समाप्त करने की घोषणा के पश्चात् दीक्षान्त शोभा

यात्रा दीक्षान्त भवन से प्रस्थान कर कुलपति कक्ष में पहुंच कर विसर्जित हुई। विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अतिथि, प्राध्यापक, अधिकारी, अतिथि विद्वान आदि कोरोना गाईड लाईन, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में आयोजन मुख्य संयोजक प्रो. पी.के. सिंघल, प्रो. एस.एस. संधु, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. दिव्या बागची, प्रो. ममता राव, वित्त नियंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. आर.के. गुप्ता, श्री अश्विनी जायसवाल, सहायक कुलसचिव अभयकांत मिश्रा, श्री मोतीलाल द्विवेदी, डॉ. हरेकृष्ण पाण्डेय, श्री ओ.पी. यादव आदि का सक्रिय योगदान रहा।

स्वर्ण पदक की जानकारी

मंच पर वितरित कुल पदक	97
स्नातक स्तर के पदक	30
स्नातकोत्तर स्तर के पदक	67
कुल पदक प्राप्त छात्रों की संख्या	58
कुल पदक प्राप्त छात्र की संख्या	08
कुल पदक प्राप्त छात्राओं की संख्या	50
सर्वाधिक पदक प्राप्त छात्रा कु. मीनाक्षी सोनी	08 (एम.एस.सी. गणित)
सर्वाधिक पदक प्राप्त छात्रा कु. मोनिका अगल्वा	08 (एम.बी.बी.एस.)

डी.लिट्	01
शोध उपाधि	191

कला संकाय	35
सामाजिक विज्ञान संकाय	34
विज्ञान संकाय	13
जीव विज्ञान संकाय	31
गणित संकाय	09
शिक्षा संकाय	22
वाणिज्य संकाय	34
गृह विज्ञान संकाय	05
प्रबंधन संकाय	07
विधि संकाय	01